फ्रायड का मनोविश्लेषणात्मक सिद्धांत

SMC Education

By Ajay Sihmar

मेरे द्वारा लिखी गई Book की एक छोटी सी झलक कैसी लगी जरूर बताना | Whats up no.

9466007950

पर Msg करके जरूर बताना व Group join करें।

आइए, अब Ed, Ego. व Super Ego को एक उदाहरण से समझाने की कोशिश करते हैं

एक लड़का मेले में घुमने गया। तभी उसने देखा की मेले में अच्छे - अच्छे खिलौने लगे हुए हैं उसके पास पैसे भी नहीं थे तो उसके मन में विचार आया कि क्यों न इन खिलौनों को चोर लिया जाये। उसका मन अर्थात Ed यह करने के लिए तैयार हो जाता है। यहाँ तक की घटना Ed तक के अंतर्गत आती है तभी उसने सोचा की ऐसा करने से उसकी पिटाई हो सकती है। अर्थात यह उसकी वास्तविक स्थिति है यह Ego के अंतर्गत आता है, तभी उसने सोचा की चोरी करना पाप है, तो यह गलत काम है यह Super Ego है।

Ajay Sihmar

अगर उसका Ed Ego पर हावी हो जाता है तो वह चोरी कर लेता।

इसी तरह अगर Super Ego पर Ed हावी हो जाता तो भी वह चोरी करता अर्थात वह कुछ गलती करता

By Ajay Sihmar

फ्रायड का मनोविश्लेषणात्मक सिद्धांत

SMC Education

By Ajay Sihmar

मेरे द्वारा लिखी गई Book की एक छोटी सी झलक कैसी लगी जरूर बताना । Whatsup no.

9466007950

पर Msg करके जरूर बताना व Group join करें।

कुछ विशेष

लिबिडो → फ्रायड के अनुसार बच्चों मे जन्म से ही लैंगिक ऊर्जा (Libido) निहित होती है। जो विभिन्न मनोलैंगिक अव   से विकसित होती है। इसके अनुसार मानव का प्रत्येक व्यवहार लिबिडो को संतुष्ट करने के इर्द-गिर्द ही घूमता है अगर लिबिडो की संतुष्टि हो तो संतुलित व्यक्तित्व का विकास होता है।

→ ऑडिपस व एलेक्ट्रा ग्रंथि ⇒

Ajay Sihmar

- → लड़को में होने के कारण अपनी मां से प्रेम करते है
- → लड़कियाँ अपने पिता को प्रेम करती है

Imp →

By Ajay Sihmar

फ्रायड का मनोविश्लेषणात्मक सिद्धांत

By Ajay Sihmar

मेरे द्वारा लिखी गई Book की एक छोटी सी झलक कैसी लगी जरूर बताना । Whatsup no.

9466007950

पर Msg करके जरूर बताना व Group join करें ।

SMC Education

इद (Id)	2. अहम (Ego)	पराहम (Super Ego)
→ जन्मजात प्रवृत्ति	→ वास्तविकता	→ आदर्शात्मा
→ अनैतिक, अतार्किक अक्रमाकता नियमों को मानने वाला	→ तार्किक तरीका	→ नैतिक
→ छोटे बच्चों का व्यवहार इद से नियंत्रित होता है	→ एक स्वच्छ व्यक्ति के लिए आवश्यक	→ अवास्तविक क्योंकि यह Id को नैतिक कार्य करने के लिए विवश करता है चाहे Id को कितनी भी समस्या क्यों न हो।
→ आत्मसंतुष्टि तक सीमित (सुखवादी)	→ चेतन मन का स्वामी → इसे हम आदमी के अंदर का आदमी का रूप समझते हैं	
→ इद पर नियंत्रित न किया जाए तो व्यक्ति संकट में पड़ सकता है	→ मन का मुख्य शासक	→ Id पशु प्रवृत्ति की आलोचना
→ आदमी के अंदर का पशु	→ इंसानी प्रवृत्ति व जिम्मेदारियों का अभ्यास कराने वाला।	→ एक आदमी के अंदर का देवता
→ इद की प्रधानता वाले व्यक्ति कर्तव्य करने से पहले चिंतन नहीं कर पाते।	By Ajay Sihmar	
→ इच्छा पूर्ति के लिए [illegible]		
→ अचेतन मन का राजा		